कोविड से बदला समाज

भूमिका :-

विश्व साहित्य संगठन कोविड-19 को महामारी घोषित किया गया था। इस महामारी के जमाने में हमारे समाज में बहुत बदला हो गया। हमारे मानसीक शारीरीक, आर्थिक और बौधिक रूप में कोई बदलाव हो गया। इस बदला के कारण क्या-क्या हो गया? इसके कारण हो गया बदला को हमारे समाज में क्या प्रसक्ति है? इस बदला का परिणाम और दुष्परिणाम क्या-क्या है? हम यहाँ इस कोविड के कारण बदला को देख सकते है।

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

कोविड़ और चुनौतियाँ

कोविड़ के कारण हम कई रूप में चुनौतियाँ को संकट करते है/ हमारे विश्व में इसका प्रभाव बहुत बड़ा है/ इसके कारण हम आर्थिक रीति में कोई चुनौतियाँ को संभालते है/ हमारे शिक्षा जीवन में इसका प्रभाव बड़ा है/

कोविड-19 के कारण लॉकडाऊन हो गया/ इस समय में मनुष्य की अन्दर में आशंका का भाव बढ़ा रहा/ मनुष्य में भयभीत होकर उसने बाहर नहीं चलता था/ बहुत सारा लोग को अपना रोजगार नष्ट हो गया/ कई लोग इसके कारण अपना घर में नहीं जा सकती/ उसका अपने परिवारों को मिलना ऑनलाइन में हो गई/ इस उनका मन में भय का

भाव को बढ़ना होना एक कारण है/ कई लोग को अच्छा चिकित्सा नहीं लभ्य हुआ/ इसके कारण पूरा विश्व में एक करोड़ अधिक मरा होगा/ विद्यार्थीयों में ऑनलाइन कॅलास के के कारण कई बदलाव होगा/

कोविड काल में कृषक

कोविड काल में कृषक का स्थित बहुत कष्ट था/ कृषक को अपनी साधन को लेना का अवसर कम हो गयी/ कृषक परिवारों के अवस्था इसके कारण बहुत कष्ट था/

खाना गरीब लोगों को लभ्यता कम हो गयी/ सरकार उसके लिए नयी परियोजनाओं लागु किया/ आम आदमी की सरकार अॅफसरों से कई मदद लभ्य हुई/

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

कृषक कोविड के कारण हुआ बदला के कारण हुआ समस्याओं को प्रयास करना है। सरकार उसके लिए कुछ परियोजनाओं को लागु किया।

आर्थिक स्तर पर हुआ बदला

कोविड के कारण आर्थिक स्तर पर समाज कष्टताएँ संफलते है। बहुत सारा लोग को अपना रोजगार नष्ट हो गया। दैनिक रोजगारी लोग की अवस्था बहुत कष्ट है। वे अपना संपातन का मार्ग को नष्ट हो गया। उसका परिवार बहुत गरीबी हो गया। उसका मन में आंशका और दुख बढ गया और कुछ लोग आत्महत्या भी करता था।

मानसीक स्तर पर हुआ बदला

सबका मन में

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

भय और आशंका था/ मनुष्य का चरित्र भी कोविड के कारण बदल हो गया / सत्कारी प्रिय लोग को कोविड के बाद अन्य लोग को मिलने में प्रयास होना लगा/ इसके कारण वे एक-दो वर्ष से कुछ को ना मिलता था/

कोविड के पहला हमारे समाज में हम-हमारे का भाव था/ इस भाव हमारा देश की उन्नति प्राप्ति के लिए मदद करना था/ परन्तु कोविड के बाद समाज में मैं और मेरा का भाव बढ़ हो गया/ इस भाव एक देश के लिए और एक समाज के लिए बहुत दोष है/ इस भाव हमारे अनेकता में एकता भाव को भी टूट करता है/ देश और हमारा समाज के उन्नति के लिए हम इस भाव को बदलना चाहिए/

विद्यार्थी जीवन में कोविड का प्रभाव

आज का बच्चा कल का नागरिक है। जवहरलाल नेहरू ने कहा था। कोविड के कारण छात्र में मानसीक, शारीरीक और बौद्धिक स्तर पर कोई बदला हुआ।

कोविड के कारण छात्रों स्कूलों में नहीं चलता। इसके कारण वे अपने अध्यापकों को नहीं मिलता था। अध्यापक राक छात्र का भविष्य बनता है। अध्यापक छात्रों को कई मूल्यों सिखता है। अध्यापक को मिलने समय वे छात्रों को शिक्षा पद्धि में नहीं कार्यों और जीवन में जीने के लिरा मूल्यों को सिखता है। कोविड के कारण यह नहीं हुआ। अध्यापक ऑनलाइन क्लास चलना था परन्तु कुछ छात्रों ने

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 645 Participant Code: 104

क्लास में नहीं था। इसका कारण कुछ छात्रों के परिवारों में हुआ गरीबी ही है। कुछ छात्रों अपने आलस्य के कारण ऑनलाइन क्लास को नहीं अटेन्ड किया।

सरकार ने गरीबी विद्यार्थियों को मदद करने के लिए परियोजनाओं चला दिया। सरकार गरिबी छात्रों को स्मार्ट देता था।

कुछ विद्यार्थियों ने इस स्मार्टफोन का दुरुपयोग किया। कुछ छात्रों ने मोबाइल फोन का अडिक्ट हो गया। वे मोबाइल फोन के गुलामी में था। कुछ छात्रों ऑनलाइन खेल के लिए पैसा दुरुपयोग किया था। बहुत सारा छात्रों में मानसीक सम्मर्द उत्पन हुआ था। सरकार ने इसको बदलना केलिए कौनसीलिंग चला दिया। कुछ छात्रों

आत्महत्या कर दिया।

इसके कारण अध्यापक का अभाव है। कोविड़ के बाद छात्रों में अनुशासन का भावना कम हो गया। वे दूसरा लोग में है। अध्यापक के मदद से और माता-पिता के मदद से हम हमारा छात्रों को बदल होना चाहिए। हम उसको मानसीक सम्मर्द को दूर करने के लिए कौन्सलिंग और क्लास चलाना चाहिए।

कोविड के बाद समाज में नशा का उपयोग बढ़ हो गया। युव-पीढ़ी और छात्रों इस नशा को सेवन से राक देश का भविष्य टूट हो गया है। सरकार ने इस नशा को समाज से विमुक्त करने के लिए 'योद्धाव' और 'विमुक्ति' परियोजनाओं को लागु किया है।

आस्पतलों की ~~सम्बोधि~~ स्थिति

कोविड के समय में बहुत लोगों को इसका सेवन लभ्य हुआ। इसके कारण कोविड से पिडित लोग को आश्रय ~~मि~~ मिलाता था। पर बहुत गरीबी लोगों को इसका सेवन बहुत कम था। कोविड के बाद आस्पतलों में कोई बदला हो गई।

बदला समाज

कोविड के काल में आधिक रोजगार ऑनलाइन में था। इसके कारण मनुष्य को अपने परिवार में था। दुकानवालों दुकान बंधकर घर में था। इसके कारण वे अपने परिवार के साथ था। परिवार में प्यार का बढ हुआ। दुकानवालों कोविड के पहले दुकान में था।

उसको अपने परिवारों के साथ समय बिताना का अवसर भी मिला। कुछ दूकानदार को कोरोना के कारण होना कष्ट के कारण अपना दूकान को बंध करने का अवस्था में है। कुछ दूकानवालों कोविड के कारण होना बड़ा नष्ट के कारण आत्महत्या भी कर दिया।

प्रदूषण और कोविड

कोविड काल में प्रदूषण बहुत कुछ हो गया। लॉकडाउन के मिल-कारखानों, गाड़ियों को बंध करना था। पर्यावरण हमारी माता है। कोविड के कारण जल प्रदूषण, मिट्टी प्रदूषण, वायु प्रदूषण यानी शोर प्रदूषण भी कम हो गया। यह कोविड का सबसे बड़ा अच्छी परिणाम है। पर कोविड कम होने के कारण प्रदूषण आज अधिक है।

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

प्रदूषण कम होने के कारण जानवरों और वनस्पतियों को आश्वास मिली / मनुष्य को प्रकृति से खिलावट कम था - कोविड काल में /

कोविड के कारण समाज में बहुत सारा दुष्परिणाम और राक - हो अच्छा परिणाम हो गया हमारे समाज में / कोविड काल में अमीर - गरीब सारा लोग कष्टता में था / कोविड के कारण होना बदला कोई है / इसमें दुष्परिणाम यानी दोष बदलाव को बदला करना समाज और देश का आवश्य है / 'संगठन में शक्ति है' / हम मिल - जुलकर कोविड के से होना दुष्परिणाम का बदला करने का प्रयत्न होना चाहिए /

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 645 Participant Code: 104

निष्कर्ष

कोविड के बाद हमारे समाज में हम और हमारा का भाव नहीं है। सब देना नहीं चाहते और लेना चाहता है। एक देश के समाज में एकता का भाव उसकी उन्नति के लिए आवश्य है। हम सब हमारे समाज में अच्छा बदला होने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। हम सब यानि हरेक व्यक्ति देश की उन्नति के लिए प्रयत्न करना चाहिए।

'एकता में अनेकता'
यह हमारी विश्वसनाथा है।

धन्यवाद

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)